Dr. M. S. Aney: How many institutions like that are there in Maharashtra and where are they located?

Shri Y. B. Chavan: There are some training institutions in Poona, for example. Then there is the Artillery Centre at Deolali near Nasik. That is a very traditional artillery training centre. As far as the trade training centres are concerned, they are at Aurangabad and other places.

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं यह जानना चाहूंगा कि इन सैनिक स्कूलों के अन्दर राज्य सरकारों का सहयोग कितना होता है और केन्द्रीय सरकार का कितना होता है ?

श्री यशवन्त राव चह्वाण : ज्यादा तो राज्य सरकारों को करना पड़ता है । राज्य सरकारों को ज्यादा जिम्मेदारी लेनी पड़ती है । कहीं पर स्टाफ की पेज़ की जिम्मेदारी सेंट्रल गवर्नमेंट लेती है और स्कालरशिप्स भी वह देती है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : गोवा, दामन और ड्यू में भी क्या इस प्रकार की कोई प्रशिक्षण संस्था खोलने का सरकार का विचार है ?

Shri Y. B. Chavan: The Signals Training Centre is already functioning in Goa.

श्री रामसेवक यादव : मैं जानना चाहूंगा कि जो सैनिक स्कूल हैं उनमें शिक्षा या इंस्ट्रक्शन का माध्यम क्या है ? क्या हर राज्य में जो सैनिक स्कूल खुले हैं उनमें इंस्ट्रक्शन का अलग अलग माध्यम है या एक ही है ?

श्री यशवन्त राव चह्वाण : राज्यों में अलग अलग सैनिक स्कूल चल रहे हैं लेकिन इंस्ट्रक्शन का मीडियम एक ही है ।

श्री रामसेवक यादव : वह माध्यम क्या है यह बतलाया जाय ?

श्री यशवन्त राव चह्वाण : माध्यम तो अंग्रेजी है ।

वार्षिक प्रतिवेदनों के हिन्दी संस्करण

\+

*५८६. { **श्रीमती सावित्री निगम** :
श्री म० ला० द्विवेदी :

क्या **संसद्-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ मंत्रालयों के हिन्दी में वार्षिक प्रतिवेदन लोक-सभा के आय-व्ययक सत्र के अवसान में उस समय उपलब्ध होते हैं जब उन मंत्रालयों के सम्बन्ध में वाद-विवाद समाप्त हो चुकता है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं कि मंत्रालय अपने वार्षिक प्रतिवेदनों के हिन्दी संस्करण अंग्रेजी संस्करणों के साथ साथ संसद सदस्यों को दें ?

संसद्-कार्य मंत्री (श्री सत्य नारायण सिंह) : (क) और (ख). अनुवाद की अपर्याप्त सुविधाओं तथा मुद्रणालय में त्वरित कार्य भार बढ़ जाने के कारण १९६३ से पहले कुछ मंत्रालयों के हिन्दी वार्षिक प्रतिवेदनों को वितरण करने में विलम्ब हुआ ।

(ग) विभिन्न मंत्रालयों को आवश्यक आदेश दिये गये कि वे अनुदानों की मांगों पर चर्चा होने से पूर्व ही अंग्रेजी संस्करणों के साथ साथ सुनिश्चित रूप से हिन्दी संस्करणों का वितरण करें । परिणामत: १९६३ के बजट सत्र के दौरान सदस्यों को हिन्दी संस्करण ठीक समय पर उपलब्ध कर दिये गये । १९६४ के बजट सत्र के लिये भी उसी प्रकार की कार्रवाई की गई है ।

[(a) and (b). Prior to 1963, there were some cases of delay in circulation of Hindi versions of Annual Reports on account of inadequate facilities of translation and delay in printing due to rush of work.]

(c) Necessary instructions were issued to ensure supply of Hindi version along with the English version before the Demands for Grants of different Ministries were taken up for discussion. As a result, during the Budget Session of 1963, Hindi versions were made available to members well in time. Similar action has been initiated for the Budget Session, 1964.]

श्री त्यागी : मालूम होता है कि आप के स्टाफ का आदमी हिन्दी लिखना जानता नहीं है ।

श्री रघुनाथ सिंह : रामायण वाली हिन्दी नहीं होगी ।

Shri Hari Vishnu Kamath: It seems to be the first question in our parliament that the Minister of Parliamentary Affairs has answered a question.

श्रीमती सावित्री निगम : क्या मंत्री महोदय को ऐसी भी कोई शिकायतें मिली हैं कि जो अनुवाद हुआ है, उसमें कुछ इम्प्रूवमेंट्स लाने की जरूरत है और अनुवाद ठीक नहीं हुआ है ?

अध्यक्ष महोदय : यह उनका काम नहीं है ।

श्री सत्य नारायण सिंह : अभी त्यागी जी की शिकायत हुई है कि अनुवाद ठीक नहीं है । इसके अलावा और कोई शिकायत नहीं है ।

श्रीमती सावित्री निगम : जो अनुवादक इन रिपोर्ट्स का ट्रांस्लेशन करते हैं, उनके बारे में क्या मंत्री महोदय ने यह जानने की चेष्टा की है कि उनकी एजुकेशनल क्वालिफिकेशंज क्या हैं और क्या वे इतनी योग्यता रखते हैं कि अनुवाद ठीक प्रकार से कर सकें ?

श्री सत्य नारायण सिंह : यह जो ट्रांस्लेशन का काम है यह हर मिनिस्ट्री में अलग अलग होता है । मेरा काम तो यह है कि वे ठीक समय पर इन प्रतिवेदनों को लायें, यह देखूं । अब किस मिनिस्ट्री में कैसे ट्रांस्लेटर्ज हैं, इसका जवाब मैं कैसे दे सकता हूं ।

डा० गोविन्द दास : क्या यह सही नहीं है कि अंग्रेजी को हिन्दी के साथ चलना चाहिये, हिन्दी को अंग्रेजी के साथ नहीं और जब तक अनुवाद की इस प्रकार की व्यवस्था रहेगी और मूल में हिन्दी में कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ये प्रश्न हल नहीं होंगे ? क्या सरकार इसके ऊपर विचार कर रही है ?

श्री सत्य नारायण सिंह : हिन्दी अंग्रेजी दोनों साथ साथ चल रही हैं । जवाब तो बहुत सी बातों का मिनिस्टर लोग यहां अंग्रेजी में देते हैं, कुछ के हिन्दी में भी आते हैं । अभी तक तो ऐसा सिलसिला हुआ नहीं है कि दोनों साथ साथ जवाब दिये हों कार्रवाई के । जब मिनिस्टर खुद जवाब देते हैं अंग्रेजी में तो क्या किया जाए उसका ।

डा० गोविन्द दास : मेरे प्रश्न का मुझे उत्तर नहीं मिला है ।

अध्यक्ष महोदय : आपका सजैशन था जिसको उन्होंने सुन लिया है और अब सोचेंगे उस पर ।

Shrimati Yashoda Reddy: Every Member of Parliament is requested to intimate to the Lok Sabha Secretariat as to whether he or she wants copies of the parliamentary proceedings and various other reports in Hindi or in English. I would like to know from the Minister of Parliamentary Affairs what is the number of Members both from Lok Sabha and Rajya Sabha who have specifically asked for Hindi version of all these things.

Shri Satya Narayan Sinha: I require notice for that. I do not know the figure now.

श्री किशन पटनायक : क्यों मंत्री महोदय इस पर विचार करेंगे कि कुछ जरूरी प्रतिवेदनों के अन्य भाषाओं भी संस्करण निकालें और उनको छापें ?

अध्यक्ष महोदय : यह नहीं हो सकता है ।

श्री यशपाल सिंह : जिन साउथ इंडियंज ने हिन्दी को बड़े प्रेम से सीखा है और एम० ए० तक हिन्दी पढ़ी है, क्या उन साउथ इंडियंज को यह ट्रांस्लेशन का काम सौंपा जाएगा ?

अध्यक्ष महोदय : यह सजैशन है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : जो वार्षिक प्रतिवेदन मिलते हैं सदस्यों को, यह उसका शब्दानुवाद होता है या केवल भावानुवाद होता है ?

श्री सत्य नारायण सिंह : हम तो समझते हैं, जहां तक .....

अध्यक्ष महोदय : भावानुवाद है ।

श्री सत्य नारायण सिंह : भावानुवाद है और अगर माननीय सदस्य समझें तो भाषानुवाद है ।

Shri Vishnu Kamath: Is it a fact that the Minister of Parliamentary Affairs has made parliamentary history by answering the first question on this portfolio. . . .

Mr. Speaker: What has that to do with this?

Shri Hari Vishnu Kamath: . . .and does he propose to repeat his performance in future?

Mr. Speaker: Order, order.

श्री ओंकार लाल बेरवा : जो सवाल हिन्दी में दिये जाते हैं और उन में कुछ गलती होने के कारण जब वे वापिस भेजे जाते हैं दुरुस्त करने के लिये तो क्या यह सही नहीं है कि वे अंग्रेजी में जाते हैं ? अगर हां, तो हिन्दी में ही भेजने के लिये भी क्या आपने सोचा है ?

श्री सत्य नारायण सिंह : ये तो यहां लोक सभा सैक्रैटैरिएट से जाते हैं । मैं नहीं जानता हूं कैसे भेजे जाते हैं ।

श्री विभूति मिश्र : जितने भी मंत्रालय हैं उन में से क्या किसी भी मंत्रालय में प्रतिवेदन को मूल रूप से हिन्दी में लिखा जाता है और फिर उसका अंग्रेजी में अनुवाद किया जाता है या सिर्फ अंग्रेजी में ही लिखा जाता है और हिन्दी में बाद में अनुवाद कर दिया जाता है ?

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल उन से सम्बन्ध नहीं रखता है और इसका वह जवाब नहीं दे सकते हैं । उनका काम तो इतना ही है कि वे इनको छपायें और देखें कि वक्त पर ये तैयार होते हैं या नहीं । इसका जवाब उन्होंने दे दिया है । बाकी का जो काम है वह मिनिस्ट्रीज का

श्री सत्य नारायण सिंह : जहां तक मुझे मालूम है अभी तक कहीं भी मूल प्रतिवेदन हिन्दी में नहीं लिखा जाता है, यह सही है ।

Shri H. N. Mukerjee: In view of certain incongruities creeping in on account of the translation, may I know what exactly are the difficulties which the Minister experiences in having these originally composed in Hindi and then bringing them out in English?

Shri Satya Narayan Sinha: We shall examine it. I cannot say it offhand here, but as I have said, so far as the original report is concerned, it is in English and it is translated into Hindi.

Pondicherry

***593. Shri Umanath:** Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the fact that in the absence of measures to permit lawyers of Madras Bar to